संचार अध्ययन एवं शोध विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय का प्रायोगिक पत्र

समाचार दर्पण

वर्ष 37 / अंक 1 | 2020-21 | पृष्ठ संख्या-1

रादुविवि में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केन्द्र में माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र की अध्यक्षता एवं प्रो. प्रज्ञा मिश्रा के विशिष्ट आतिथ्य में आज दिनांक 17 फरवरी, 2020 को प्रातः 11.00 बजे से सायं 4.00 बजे तक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विश्वविद्यालय के चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय श्रीवास्तव, प्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य डॉ. जी.एस. टिटोनी एवं डॉ. चांदवानी ने अपनी सेवाएं दीं।

80 लोगों का बोन-डेन्सिटी टेस्ट किया गया

इस संबंध में जानकारी देते हुए डॉ. जी.एस. टिटोनी ने बताया कि इस शिविर में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं को मिलाकर लगभग 80 लोगों का बोन-डेन्सिटी टेस्ट किया गया तथा चिकित्सीय सलाह दी गई। डॉ. टिटोनी ने बताया कि आज की आधुनिक जीवन शैली के कारण हमारी हड्डियों को बराबर पोषण न मिलने के कारण उसमें घनत्व कम हो जाता है जिससे वजन सहने की क्षमता कम हो जाती है और हमेशा दर्द बना रहता है। साथ ही हड्डियों के फ्रैक्चर का खतरा बना रहता है।

भविष्य के बाजार तक पहुंचाएं डीआईसी के उत्पाद

महामहिम के सचिव मनोहर दुबे ने किया रादुविवि का निरीक्षण

जबलपुर। रानी दुर्गावती यूनिवर्सिटी के डीआईसी के उत्पादों को भविष्य में बाजार तक पहुंचाने की आवश्यकता है, ताकि समाज इससे लाभान्वित हो सके और यह राष्ट्र के विकास में सहायक हो सके। उपरोक्त विचार राज्यपाल के सचिव मनोहर दुबे (आई.ए.एस.), राजभवन भोपाल ने एकात्म भवन स्थित डीआईसी के निरीक्षण के दौरान व्यक्त किए।

श्री दुबे ने डीआईसी की प्रयोगशाला, ग्रंथालय का भी अवलोकन किया और प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने यूनिवर्सिटी के कस्तूरबा महिला छात्रावास, मुख्य प्रशासनिक भवन स्थित परीक्षा, लेखा सहित अन्य विभागों का भी निरीक्षण किया। साथ ही विभागों और परिसर को स्वच्छ रखने के निर्देश दिए।

एएससी में शिक्षकों को सम्बोधित किया- श्री दुबे ने विवि के यू.जी.सी. मानव संसाधन विकास केन्द्र (एकेडमिक स्टॉफ कॉलेज) में "सूचना, संचार और तकनीकी" विषय पर चल रहे रिफ्रेशर कोर्स में शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के तकनीकी युग में शिक्षक को अपनी उपयोगिता बनाए रखना चुनौतीपूर्ण कार्य है। सूचना प्रौद्योगिकी में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। इस मौके पर कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र, कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्र, डीआईसी के निदेशक प्रो. एसएस संधु, नानाजी देशमुख पशु चिकित्साविज्ञान विवि के कुलपति प्रो. पीडी जुयाल, केन्द्र की प्रभारी निदेशक डॉ. राजेश्वरी राणा एवं सहायक निदेशक डॉ. संजीव पाण्डेय उपस्थित रहे।

भारत के विकास के लिए जमीनी स्तर पर कार्य करने की जरूरतः न्यायमूर्ति संजय यादव

जबलपुरः वर्तमान समय में बौद्धिक सम्पदा से संबंधित विधि के महत्व पर प्रकाश डालते हुए भारत के विकास के लिए जमीनी स्तर पर कार्य करने की जरूरत है। बौद्धिक सम्पदा के संबंध में लोगों को जागरूक किया जा सकता है। माननीय कुलपति प्रो. मिश्र ने कार्यशाला के आयोजन पर प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा कि विधि के छात्र-छात्राएं बौद्धिक सम्पदा के संबंध में जन सामान्य तक जानकारी पहुँचाने का कार्य कर सकते हैं। ये विचार म.प्र. उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति संजय यादव ने रादुविवि के विधि विभाग में आयोजित कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए।

विधि विधि विभाग में नेशनल एपेक्स चैम्बर एण्ड पीएच.डी. चैम्बर ऑफ कामर्स के सहयोग से 'बौद्धिक सम्पदा का महत्व' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने कहा कि विधि के छात्र-छात्राएं बौद्धिक सम्पदा के संबंध में जन सामान्य तक जानकारी पहुँचाने का कार्य कर सकते हैं। पीएच.डी. कामर्स ऑफ चैम्बर की अरुणा ओसवाल ने पीएच.डी. कामर्स आफ चैम्बर के उद्देश्य एवं कार्यशैली की जानकारी दी। विधि संकायाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष प्रो. ममता राव ने स्वागत भाषण एवं कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। आभार प्रदर्शन प्रो. दिव्या चंसौरिया एवं संचालन शुभि पाण्डेय ने किया।

बौद्धिक सम्पदा का महत्व विषय पर एक दिवसीय

द्वितीय सत्र में डॉ. अजय एस. ठाकुर, संदीप अग्रवाल एवं कंचन ज्योतिषी ने बौद्धिक सम्पदा विषय पर व्याख्यान दिया। इस अवसर पर डॉ. अश्विनी जायसवाल, डॉ. देवी लता रावत, डॉ. शरद साहू, डॉ. नीना व्यासी, डॉ. सुजाता श्रीवास्तव, डॉ. सुनील शर्मा, डॉ. उमाकान्त गजबीर, डॉ. अर्पण शुक्ला, चैम्बर आफ कामर्स के सतनाम कौर, श्वेता श्रीवास, श्रीमती दुर्गा पदमाने, वीरेन्द्र खटीक सहित विभाग के छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए ग्राम देवरी पटपरा में विद्यार्थियों एवं वृद्ध जनों को बांटे गए शीतकालीन गर्म वस्त्र

जबलपुर। रादुविवि द्वारा गोद लिए गए ग्राम देवरी पटपरा में राष्ट्रीय सेवा योजना मुख्य इकाई, ओपन यूनिट द्वारा गांव के जरूरतमंद बच्चों एवं शाला के विद्यार्थियों व ग्राम के वृद्धजनों को लगभग 32 हजार रुपये की कीमत के गर्म वस्त्रों के रूप में स्वेटर व कम्बल का वितरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. कपिल देव ने कहा कि ग्राम देवरी, पटपरा के ग्रामीणजनों विद्यार्थियों व वृद्धजनों के लिए पूरी तरह से सहयोग व संरक्षण करने के लिए कृत-संकल्पित है तथा भविष्य में किसी भी प्रकार की शैक्षणिक व सामाजिक आवश्यकताओं के लिए रादुविवि उनके साथ है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पहलाद पटेल पूर्व अध्यक्ष कृषि समिति व पूर्व सदस्य जिला पंचायत, विशिष्ट अतिथि विवि एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक प्रो. अशोक कुमार मराठे, पी.डी. बैरागी प्रधानाचार्य शास. शाला देवरी पटपरा, सम्मानीय अतिथि संतोष पटेल सरपंच ग्राम देवरी पटपरा तथा सोनेलाल पटेल वरिष्ठ समाजसेवी, महेश मानव वरिष्ठ समाजसेवी, संतोष कुमार झारिया जन शिक्षक बरेला आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. देवांशु गौतम ने बताया कि यह गौरव का विषय है कि रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जैसी बड़ी संस्था ने हमारे छोटे से गांव को गोद लिया और छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखते हुए हम सभी के लिए इतना काम कर रहे हैं और हम सभी वादा करते हैं कि अपने गांव के सभी बच्चों को पूर्णतः शिक्षित एवं सुसंस्कृत बनाएंगे। मंचासीन अतिथियों द्वारा उपस्थित सभी छात्र छात्राओं को स्वेटर का वितरण किया गया और वृद्धजनों को कम्बल प्रदान किए गए, जिसको पा करके गांव के सभी विद्यार्थी बालक बालिकाएं काफी हर्षित हुए।

छात्राओं द्वारा स्वनिर्मित उत्पादों का प्रदर्शन

विज्ञान भवन में कौशल विकास से स्वरोजगार विषय पर आयोजित संगोष्ठी में तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता डॉ. नवनीत सिंह चढ्ढा, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर उद्यमिता विकास केंद्र, भोपाल ने महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं। संगोष्ठी के दौरान हितकारिणी महिला महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा स्वनिर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। अतिथियों ने छात्राओं द्वारा निर्मित इन उत्पादों की सराहना की।

रादुविवि और उद्यमिता विकास केन्द्र, भोपाल के बीच साइन हुआ एमओयू

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास संस्थान में मुख्य अतिथि आलोक तिवारी, विधायक केन्द्र विधानसभा, कार्यक्रम अध्यक्ष कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र, विशिष्ट अतिथि कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्र, प्रो. सुरेंद्र सिंह, निदेशक, व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास संस्थान तथा डॉ. नवनीत सिंह चढ्ढा, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर उद्यमिता विकास केंद्र, भोपाल, एस.एल. कोरी, स्टेट हेड सीईडीएमपी, प्रमोद श्रीवास्तव, रीजनल कोऑर्डिनेटर सेडमैप, अजय तिवारी, डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर सेडमैप की मौजूदगी में उद्यमिता विकास केन्द्र की स्थापना के लिए रादुविवि और उद्यमिता विकास केंद्र, मध्यप्रदेश (सेडमैप) के बीच एक एमओयू हस्ताक्षरित किया गया।

विश्वविद्यालय के लिए ऐतिहासिक क्षण-कार्यक्रम में विधायक श्री तिवारी ने कहा कि युवा स्वरोजगार को प्राप्त करें यही उनकी रुचि का विषय है। रादुविवि और सेडमैप के बीच हुआ करार एक ऐतिहासिक क्षण है। आशा है कि डिग्री और कौशल का समन्वय युवाओं के भविष्य को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डॉ. नवनीत सिंह चढ्ढा ने बताया कि सेडमैप द्वारा उद्यमिता, कौशल विकास उन्नयन एवं मेला/प्रदर्शनी/जॉब फेयर सहित कई अन्य योजनाओं के साथ प्रशिक्षण संबंधित क्षेत्रों में अग्रणी प्रशिक्षण संस्थान है। विशिष्ट अतिथि एस.एल. कोरी ने बताया कि आज बेरोजगारों को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करना सबसे महत्वपूर्ण है। विशिष्ट अतिथि श्री प्रमोद श्रीवास्तव ने कहा कि युवा पूरे उत्साह के साथ प्रयास करें।

विद्यार्थियों में बढ़ेगी उद्यमिता विकास विकल- प्रारंभ में स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए संस्थान के निदेशक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि द्वारा विश्वविद्यालय उद्यमिता विकास केन्द्र की स्थापना छात्र-छात्राओं के हितार्थ एक ऐतिहासिक एवं अभूतपूर्व कदम है। इससे छात्र-छात्राओं में कौशल विकास के साथ-साथ उद्यमिता विकास को भी विकास बढ़ेगी एवं रोजगारोन्मुखी सरकारी नीतियों का लाभ मिलेगा। संचालन कौशल विकास संस्थान की अतिथि विद्वान डॉ. मौसम दुबे एवं आभार प्रदर्शन डॉ. अजय मिश्रा ने किया। इस अवसर पर विवि के वरिष्ठ आचार्य एवं पूर्व अध्यक्ष निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग प्रो. अखिलेश पाण्डेय, गणित विभाग के अध्यक्ष प्रो. जे. एस. मैत्रा, बीएड विभाग की अध्यक्ष डॉ. श्रीमती ए.के. मिश्र, हितकारिणी महिला महाविद्यालय की प्राचार्य नीलिमा पाण्डेय, अतिथि विद्वान डॉ. आशा रानी, पूर्णिमा श्रीवास, डॉ. चैत्रा मिश्र, डॉ. रेणु पाठक, डॉ. मोहम्मद जावेद, डॉ. महावीर त्रिपाठी, डॉ. प्रमोद पाण्डेय, डॉ. सरिता यादव, प्रशांत तिवारी, संदीप चौरसिया, डॉ. प्रदीप विश्वकर्मा, डॉ. पंकिज वर्मा, डॉ. दिव्या सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

विश्वविद्यालयीन प्राध्यापक हुए सम्मानित

जबलपुरः वीरांगना रानी दुर्गावती जन्म जयंती के अवसर पर विश्वविद्यालय कौंसिल हॉल में आयोजित सम्मान समारोह में कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र द्वारा सत्र 2017-18 में उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रो. प्रियव्रत शुक्ला, प्रो. अलका नायक, प्रो. आरती मौर्य को सम्मान प्रमाण पत्र और नकद पुरस्कार एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसी तरह सत्र 2018-19 के लिए प्रो. त्रिभुवन नाथ शुक्ला, प्रो. पीके जैन प्रो. अलंकार तापसे तथा सत्र 2020-21 के लिए प्रो. एडीएन बाजपेयी, प्रो. अंजना शर्मा को प्रमाण पत्र और नकद पुरस्कार एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. कमलेश मिश्र सहित अन्य प्राध्यापकगण मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय को शिखर तक पहुंचाना हम सभी का लक्ष्य

रादुविवि अध्यापक मंडल द्वारा सम्मान समारोह

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय को उन्नति के शिखर तक पहुंचाना हम सभी का लक्ष्य है। विश्वविद्यालय में जो सकारात्मक परिवर्तन आए हैं उनमें अध्यापक मंडल के सभी सदस्यों की उल्लेखनीय भूमिका है। प्रशासन और प्राध्यापकों के बीच जो एकता का रिश्ता है, वही विश्वविद्यालय के विकास का आधार है। उक्त विचार कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने रादुविवि अध्यापक मंडल द्वारा आयोजित सम्मान समारोह के दौरान व्यक्त किए।

विवि काउंसिल हॉल में अध्यापक मंडल द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में अध्यापक मंडल अध्यक्ष प्रो. राजीव दुबे ने कहा कि विवि की प्रगति के लिए सभी प्राध्यापक सदैव साथ खड़े हैं। सम्मान समारोह में विवि के वरिष्ठ आचार्य एवं शिमला यूनिवर्सिटी, हिमाचल प्रदेश के पूर्व कुलपति प्रो.ए.डी.एन. बाजपेयी, अध्यापक मंडल के पूर्व अध्यक्ष प्रो. भरत कुमार तिवारी, मंडल के पूर्व अध्यक्ष प्रो. राधिका प्रसाद मिश्र, प्रो. अखिलेश पाण्डेय, प्रो. मृदुला दुबे, प्रो. पी.के. सिंघल ने अपने विचार प्रस्तुत किए

सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी की मांग पर एकजुट प्राध्यापक-

विवि अध्यापक मंडल द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में सभी प्राध्यापकों ने एकसुर में रादुविवि को सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी बनाए जाने की आवाज बुलंद की। इस दौरान सभी ने तय किया कि इस मांग को लेकर सभी अध्यापकों की ओर से एक प्रस्ताव तैयार कर आगामी 20 मार्च 2020 को आयोजित होने वाले दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले महामहिम राष्ट्रपति के समक्ष रखा जाएगा।

इनका हुआ सम्मान-

विवि अध्यापक मंडल की ओर से कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र के सफलतम 4 वर्ष पूर्ण होने एवं दोबारा कुलपति के कार्यकाल में वृद्धि पर उनका शॉल व श्रीफल से सम्मान किया गया। कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्र का प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए शॉल व श्रीफल से सम्मान किया जाएगा। समारोह में गणित विभाग के सेवानिवृत्त आचार्य प्रो. पी.सी. जैन, जीव विज्ञान विभाग के सेवानिवृत्त आचार्य प्रो. वाय.के. बंसल का भी शॉल एवं श्रीफल से सम्मानित किया गया। इस मौके पर दोनों आचार्यों ने विवि में बिताए अपने यादगार पल सभी के साथ बांटे। समारोह में अध्यापक मंडल के नवीन सदस्य अश्विनी जायसवाल, डॉ. देवीलता रावत का भी सम्मान किया गया। समारोह का संचालन मंडल के सचिव डॉ. लोकेश श्रीवास्तव एवं आभार प्रदर्शन उपाध्यक्ष प्रो. धीरेन्द्र पाठक ने किया। इस मौके पर अध्यापक मण्डल के सभी सदस्यगण मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय अतिथि विद्वानों द्वारा अभिनंदन

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय का बहुँमुखी विकास ही हम सबका लक्ष्य है। सभी के सकारात्मक प्रयास और परस्पर सामन्जस्य से ही विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति पथ पर आगे बढ़ेगा। विश्वविद्यालय में आगामी दिनों में नैक निरीक्षण होना है और इसकी सफलता के लिए सभी के समन्वय से प्रयास जरूरी हैं। उपरोक्त उद्गार कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने विवि के विज्ञान भवन में समस्त अतिथि विद्वानों की ओर से आयोजित अभिनंदन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए।

कुलपति प्रो. मिश्र के सफलतापूर्वक 4 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने एवं द्वितीय कार्यकाल प्रारंभ होने के उपलक्ष्य में विवि के समस्त अतिथि विद्वानों की ओर से आयोजित अभिनंदन समारोह में कुलपति प्रो. मिश्र एवं कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्र का शॉल, श्रीफल एवं अभिनंदन पत्र प्रदान किया गया। समारोह में विशेष अतिथि जोधपुर विवि के प्रो. आर. दुबे, उपकुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा, वित्त नियंत्रक ए.के. महोबिया, परीक्षा नियंत्रक प्रो. एन. जी. पेण्डसे, संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. कमलनयन शुक्ल एवं एन.एस.एस. समन्वयक डॉ. अशोक मराठे सहित समस्त शैक्षणिक विभागाध्यक्षों का शॉल श्रीफल से सम्मान किया गया। कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्र ने रादुविवि के गौरवशाली अतीत का वर्णन करते हुए विश्वविद्यालय के विकास में सभी की सहभागिता का उल्लेख किया। कुलपति एवं कुलसचिव द्वारा विश्वविद्यालय को नैक 'ए' ग्रेड के लिए किए जा रहे प्रयासों से अवगत करते हुए सभी के परस्पर सहयोग का आव्हान किया। समारोह का संचालन डॉ. अजय मिश्रा एवं आभार प्रदर्शन डॉ. मीनल दुबे ने किया। सम्मानपत्र का वाचन डॉ. आशारानी ने किया। इस अवसर पर समस्त शिक्षण विभागों के अतिथि विद्वान मौजूद रहे।

रादुविवि में उपलब्ध सुविधाओं का अन्य विश्वविद्यालयों से होगा एम.ओ.यू.

आंतरिक गुणवत्ता एवं मूल्यांकन प्रकोष्ठ की बैठक में लिया निर्णय

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता एवं मूल्यांकन प्रकोष्ठ के सदस्यों की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने विश्वविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं को अन्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को शोध कार्य के लिए उपलब्ध कराने हेतु एम.ओ.यू. के लिए जोर दिया। बैठक में राजभवन, भोपाल में 4 नवम्बर को आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में विभिन्न विश्वविद्यालयों के मध्य एम.ओ.यू. के संबंध में लिए गए निर्णयों पर विस्तृत चर्चा हुई। साथ ही निर्णय लिया गया। इस अवसर पर आंतरिक गुणवत्ता एवं मूल्यांकन प्रकोष्ठ समन्वयक प्रो. अंजना शर्मा, प्रो. एस.एन. बागची, प्रो. आर.के. यादव, प्रो. शैलेष चौबे, प्रो. रामशंकर, प्रो. ममता राव, डॉ. लोकेश श्रीवास्तव, डॉ. अजय कुमार गुप्ता एवं डॉ. आर.के. गुप्ता उपस्थित रहे।

निम्न विषयों पर इस विश्वविद्यालय द्वारा अन्य विश्वविद्यालयों से एम.ओ.यू. का प्रस्ताव किया जा सकता है-

- रूसा परियोजना के अंतर्गत क्रय किए गए उपकरणों का विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को शोध कार्यों हेतु सुविधा उपलब्ध करवाना।
- विश्वविद्यालय में जीवाणु कल्चर संग्रहण केन्द्र में उपलब्ध जीवाणुओं को शोध एवं शिक्षण कार्य हेतु विभिन्न विश्वविद्यालयों को उपलब्ध करवाना।
- विश्वविद्यालय में कृषि एवं उद्योगों से संबंधित आर्थिक शोध का डाटा बैंक उपलब्ध है। इसकी सुविधा अन्य विश्वविद्यालयों के शोधार्थी एवं शिक्षकों को प्रदान करना।
- पानी एवं खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता का परीक्षण।
- चुनाव संबंधी अध्ययन एवं शोध सर्वे।
- डीआईसी में उपलब्ध विशेषज्ञता की सुविधा।

वि.वि. करेगा रीजनल सेंटर ऑफ आर्गेनिंक फार्मिंग से एम.ओ.यू.

जबलपुर। कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र की अध्यक्षता, डॉ. गगनेश शर्मा, डायरेक्टर, रीजनल सेंटर आफ आर्गेनिक फार्मिंग, जबलपुर (कृषि मंत्रालय भारत सरकार) तथा विश्वविद्यालय के व्यावसायिक एवं कौशल विकास संस्थान के प्रभारी निदेशक प्रो. सुरेन्द्र सिंह की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई। बैठक में चर्चा के दौरान निर्णय लिया गया कि शीघ्र ही दोनों संस्थानों के बीच एम.ओ.यू. किया जायेगा। कुलपति प्रो. मिश्र ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जैविक खेती के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि विवि व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास संस्थान एवं रीजनल सेंटर ऑफ आर्गेनिक फार्मिंग, जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में 'जैविक खेती' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जायेगा। प्रो. सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि संस्थान के सहयोग से विवि में विद्यार्थियों हेतु शॉर्ट टर्म कोर्स आरंभ किया जायेगा एवं जैविक खेती प्रशिक्षण दिया जायेगा ताकि उन्हें इस क्षेत्र में रोजगार मिल सके।

कैम्पस सिलेक्शन प्रक्रिया मे चयनित हुए रादुविवि के तीन विद्यार्थी

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के प्रबंधन संस्थान में कोलगेट कंपनी द्वारा आयोजित इंटर्नशिप कैम्पस में तीन छात्रों का चयन कोलगेट कंपनी में किया गया। कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र के मार्गदर्शन में आयोजित इस इंटर्नशिप कैम्प में 15 छात्रों ने अपनी सहभागिता दी। इस कैम्पस सिलेक्शन प्रक्रिया के दौरान विभाग की ओर से डायरेक्टर प्रो. शैलेष कुमार चौबे, डॉ. आशीष शर्मा, डॉ. रजनी शर्मा, डॉ. शरद खरे, डॉ. दीक्षित ने सराहनीय भूमिका निभाई। इस कैम्पस सिलेक्शन प्रक्रिया में साकेत सोनकर, मोह. आदिल खान, साक्षी गुप्ता, मयंक उपाध्याय, अमन मल्होत्रा, सचिन पटेल आदि ने अपना प्रदर्शन किया।

वि.वि. करेगा हांगकांग वि.वि. से एम.ओ.यू.

जबलपुर। कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र की अध्यक्षता, कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्र, हांगकांग के डॉ. संजय नागरकर, विश्वविद्यालय के व्यवसायिक एवं कौशल विकास संस्थान के प्रभारी निदेशक प्रो. सुरेन्द्र सिंह, प्रो. अंजना शर्मा श्रीमती मीताली बैनर्जी एवं संयुक्त राष्ट्र संघ में हांगकांग प्रतिनिधि डॉ. रीता व्यास नागरकर की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई। बैठक में चर्चा के दौरान निर्णय लिया गया कि शीघ्र ही रादुविवि के जीव विज्ञान विभाग एवं हांगकांग विश्वविद्यालय के बीच एम.ओ.यू. किया जायेगा। जिसके अंतर्गत जीव विज्ञान विभाग के शोधार्थी सूक्ष्म समुद्र विज्ञान, टाइगर संरक्षण, आयुर्वेदिक औषधि संरक्षण एवं संवर्धन तथा संचार कौशल एवं उद्यमिता के क्षेत्र में हांगकांग विश्वविद्यालय में शोध के लिए जायेंगे एवं वहां के शोधार्थी एवं शोध निदेशक अध्ययन के लिए रादुविवि आयेंगे। कुलपति प्रो. मिश्र ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के एम.ओ.यू. से तकनीकी क्षेत्र में रादुविवि वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान स्थापित करेगा।

विश्वविद्यालय में बनेगा महापुरुषों के नाम पर अध्ययन पीठ

रादुविवि कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र की अध्यक्षता, कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्रा, प्रभारी परीक्षा नियंत्रक प्रो. एन.जी. पेन्डसे एवं वित्त नियंत्रक ए.के. महोबिया की उपस्थिति में राजभवन में आयोजित कुलपतिगण की बैठकों के कार्यवाही विवरण में वर्णित प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों से संबंधित महत्वपूर्ण बिन्दुओं के पालन प्रतिवेदन तैयार करने के संबंध में विभागाध्यक्षों एवं अधिकारियों की बैठक का आयोजन कौंसिल हाल में किया गया। बैठक में अकादमिक कैलेण्डर के अनुसार विश्वविद्यालय के परीक्षा परिणाम घोषित करने, कॉलेजों की सम्बद्धता संबंधित, छात्रों के लिए स्वच्छ शौचालय, प्रयोगशालाएं एवं कक्षाएं विकसित करने पर विचार किया गया। साथ ही विश्वविद्यालय परिसर में सोलर एनर्जी, कूड़ा प्रबंधन, वाटर हारवेस्टिंग सिस्टम, वृक्षारोपण, महापुरुषों के नाम पर अध्ययन पीठ की स्थापना एवं जैविक खेती के लिए ग्रामवासियों को प्रेरित करने की दिशा में कार्य करने के लिए कहा गया।

रादुविवि में वेस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी महिला फुटबॉल

देश के विविध राज्यों की 38 महिला फुटबॉलर टीमों ने दिखाया कमाल

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षण विभाग द्वारा आयोजित पश्चिम क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालयीन फुटबाल (महिला) प्रतियोगिता का उद्घाटन कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र के मुख्य आतिथ्य, कार्यपरिषद् सदस्य निखिल अरूण देशकर, कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्र एवं उपकुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्र के विशिष्ट आतिथ्य, संचालक शारीरिक शिक्षण विभाग प्रो. आर.के. यादव एवं प्रो. अलका नायक की उपस्थिति में किया गया। कुलपति प्रो. मिश्र ने सभी खिलाड़ियों, व्यवस्थापकों एवं आयोजकों को शुभकामनाएं देते हुए खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। संचालन डॉ. सुनील लखेरा एवं आभार प्रदर्शन डॉ. विशाल बत्रे ने किया। अतिथियों ने ए.आई.यू. एवं विवि का झण्डा फहराकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

विवि शारीरिक शिक्षण विभाग द्वारा खेल परिसर में पश्चिम क्षेत्रीय इंटर यूनिवर्सिटी महिला फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें देश के विविध राज्यों से महिला फुटबॉलर की 38 टीमों ने शामिल होकर अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता संयोजक एवं संकायाध्यक्ष प्रो. आर.के. यादव ने बताया कि कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र एवं कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्रा के निर्देशन में इस वृहद टूर्नामेंट के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर व्यापक तैयारियां की गई। यह पूरी प्रतियोगिता दो मैदानों शासकीय साइंस कॉलेज एवं विश्वविद्यालय फुटबॉल फील्ड में खेली गई, इसमें पश्चिम क्षेत्र की मध्यप्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, व प्रदेश की कुल 38 टीमों ने हिस्सा लिया। इसमें कई नेशनल प्लेयर्स एवं इंटरनेशनल प्लेयर्स संस्कारधानी में अपने खेल का कौशल का प्रदर्शन किया। वेस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी महिला फुटबॉल प्रतियोगिता सह संयोजक डॉ. विशाल ओमप्रकाश बत्रे ने बताया कि प्रतियोगिता नॉकआउट कम लीग आधार पर खेलीगई, जिसमें नॉकआउट एवं लीग के करीब 40 मैचेस हुए। इस प्रतियोगिता में मेजबान यूनिवर्सिटी को पूल बी में रखा गया जिसमें सागर, जलगांव, अहमदाबाद, बड़ौदा, राजस्थान, रायसेन यूनिवर्सिटी की टीमों के मैच हुए। सभी 4 पूल में क्वालिफाईंग मैच गए।

जबलपुर, एल.एन.सी.पी. ग्वालियर, पूना एवं गोवा वि.वि. की टीमें अंतिम चार में

आयोजन समिति सचिव एवं विभागाध्यक्ष प्रो. आर.के. यादव ने बताया कि नाक आउट कम लीग प्रतियोगिता में क्वालीफाइंग राउन्ड में एलएन.आई.पी. ग्वालियर, सावित्रीबाई फुले वि.वि. पूना, गोवा वि.वि. एवं मेजबान रादुविवि ने लीग खेलने एवं आल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी में खेलने की पात्रता हासिल की है। क्वालीफाइंग राउंड में पहला लीग मैच एल.एन.आईपी, ग्वालियर एवं पूना वि.वि. के मध्य खेला गया जिसमें एल.एन.आईपी, ग्वालियर ने 1-0 से विजय हासिल की। दूसरा लीग मैच रादुविवि, जबलपुर एवं गोवा वि.वि. के मध्य खेला गया जिसमें गोवा वि.वि. ने 3-0 से विजय प्राप्त की। मैच के निर्णायक पी.के. बोस, रोहित रजक, सदानंद पाठक, रोहित पिछे, चन्द्रा मलिक, रोशन पाठक, जे.एल. श्रीवास, उत्तम बैन, जान खरको, राहुल नागर, अतुल तिवारी, लखन रजक थे।

प्रतियोगिता के दौरान हेमंत शर्मा, प्रवीण पाण्डेय, डॉ. सुनील लखेरा, डॉ. प्रसन्नजीत चटर्जी, डॉ. रमेश शुक्ला, सुदर्शन ठाकुर, डॉ. आशीष पाण्डेय, डॉ. सतीश पाण्डेय, सुश्री मोहनी बावका, श्रीमती ज्योति जाट, डॉ. शालिनी यादव, प्रो. के.के. दुबे, डॉ. शक्ति सिंह मण्डलोई, डॉ. ओंकार दुबे का सहयोग उल्लेखनीय रहा। रादुविवि के शारीरिक शिक्षण विभाग द्वारा आयोजित पश्चिम क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालयीन फुटबाल (महिला) प्रतियोगिता के चौथे दिन पहला मैच राजस्थान वि.वि. जयपुर एवं जीवाजी वि.वि. ग्वालियर के मध्य खेला गया जिसमें मैच 0-0 से ड्रा रहा। अंततः टाई ब्रेकर में राजस्थान वि.वि. ने जीवाजी वि.वि. ग्वालियर पर 4-2 से जीत दर्ज की। प्लेयर आफद मैच का अवार्ड राजस्थान वि.वि. की वेरिका को दिया गया।

दूसरा मैच में बरकतउल्ला वि.वि., भोपाल एवं पाटन वि.वि. के मध्य खेला गया जिसमें बरकतउल्ला वि.वि., भोपाल ने 2-1 से विजय हासिल की। प्लेयर आफद मैच का अवार्ड बरकतउल्ला वि.वि. की श्रद्धा को दिया गया।

तीसरा मैच आर.टी.एम. नागपुर एवं सावित्रीबाई फुले वि.वि. पूना के बीच खेला गया इस रोमांचकारी मैच में पूना वि.वि. ने 1-0 से विजय प्राप्त की। प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड पूना वि.वि. की वैष्णवी को दिया गया।

अंतिम मैच वनस्थली वि.वि. एवं मेजबान रादुविवि जबलपुर के मध्य खेला गया जिसमें रादुविवि 4-0 से जीत हासिल करते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

सर्वाधिक अंकों के साथ गोवा बना विजेता

जबलपुर। विश्वविद्यालय के खेल परिसर में आयोजित पश्चिम क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालय महिला फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन समारोह कुलपति प्रो कपिलदेव मिश्र के मुख्य आतिथ्य, कार्यकारिणी सदस्य निखिल देउस्कर, विक्रम अवार्डी सम्मति प्रकाश सैनी, प्राचार्य डॉ वल्लन अरासू के आतिथ्य में एवं प्रो आरके यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ सुनील लखेरा और आभार प्रदर्शन डॉ विशाल बत्रे ने किया। डॉ शालिनी यादव, डॉ प्रसन्नजीत, डॉ आशीष, डॉ हरीश दुबे, श्री सुदर्शन, डॉ दीपेन्द्र, हेमंत का विशेष सहयोग रहा।

सभी लीग मैचों के पश्चात अंकों के आधार पर गोवा विवि ने विजेता बनने का गौरव हासिल किया। वहीं दूसरे स्थान पर एलएनआईपी विवि रहा। इसके अलावा पूना विवि तीसरे स्थान तथा रादुविवि जबलपुर चतुर्थ स्थान पर रहा। प्रतियोगिता की बेस्ट गोलकीपर आरती जबलपुर, बेस्ट डिफेन्डर सोनिका ग्वालियर विवि, बेस्ट मिडफील्डर वैष्णवी पूना विवि, बेस्ट फारवर्ड मार्पेट ग्वालियर विवि, बेस्ट प्लेयर का अवार्ड गोवा विवि की करिश्मा को प्रदान किया गया।

हिन्दी विभाग के 21 शोधार्थियों का सहायक आचार्य पद पर चयन

जबलपुर। ये पूरे विश्वविद्यालय के लिए गौरव का क्षण है कि इसके 21 विद्यार्थियों का चयन सहायक प्राध्यापक के रूप में शासकीय पदों पर हुआ हो। बड़ी जिम्मेदारी के साथ दायित्व भी बढ़ जाता है। शिक्षक का स्थान तो वैसे भी सबसे बड़ा होता है। प्रत्येक क्षेत्र की प्रतिभाओं को गढ़ने का कार्य शिक्षक का है। इसी को ध्यान में रखते हुए राष्ट्र और समाज को आगे लाने में शिक्षक अपनी भूमिका का पूरी ईमानदारी से निर्वहन करें। उपरोक्त उद्गार कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने विश्वविद्यालय के हिन्दी एवं भाषा विज्ञान विभाग में आयोजित प्रतिभा अलंकरण समारोह की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए।

समारोह में विशिष्ट अतिथि संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. कमलनयन शुक्ल ने संस्कृत के दोहों का वाचन करते हुए बताया कि जो विद्या प्रदान करता है वही श्रेष्ठ है और शिक्षक किसी वर्ग विशेष का नहीं होता बल्कि वह अपने विद्यार्थियों को श्रेष्ठ ज्ञान उपलब्ध कराता है। समारोह में बीजवक्तव्य प्रस्तुत करते हुए हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. धीरेन्द्र पाठक ने बताया कि हिन्दी विभाग के 21 विद्यार्थियों का उत्तरप्रदेश और मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा के माध्यम से सहायक प्राध्यापक के पद पर चयनित होना गौरव की बात है। ये इस बात को प्रदर्शित करता है कि यहां प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। समारोह में माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र, विशिष्ट अतिथि प्रो. कमलनयन शुक्ल एवं विभागाध्यक्ष प्रो. धीरेन्द्र पाठक द्वारा सभी 21 सहायक प्राध्यापक पद पर चयनित विद्यार्थियों को स्मृतिचिन्ह और फूलमालाओं से सम्मानित किया। इस अवसर पर अतिथि विद्वान डॉ. आपारानी, डॉ. विपुला सिंह, डॉ. राखी चतुर्वेदी, डॉ. संजीव श्रीवास्तव, डॉ. मोहम्मद जावेद सहित सभी छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

जीवन में आगे बढ़ना है तो मूल्यों से समझौता न करें छात्रः केन्द्रीय राज्यमंत्री प्रहलाद पटेल

देवेन्द्र छात्रावास दिवस समारोह आयोजित

जबलपुर। अकेले योग्यता ही सफलता का कारण नहीं होती, कमजोरियां है तो कभी न कभी विफल जरूर होंगे। इसलिए सबसे पहले कमजोरियों को दूर करें। कमजोरियां नहीं होंगी तो विफलता नहीं मिलेगी। क्योंकि लोग कमजोरियों के कारण ही पीछे रह जाते हैं। अब समय बदल गया है। इसलिए युवा आपस में संवाद, मेल-जोल जरूर करें। एक-दूसरे की मदद के लिए हमेशा तत्पर रहें। हॉस्टल में आधी टिफिन साथी को दे देना जीवन की बड़ी पूंजी है। जीवन में विपरीत परिस्थितियां आने पर भी जो अपने मूल्य बचाकर आगे बढ़ते हैं। ये विचार केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन राज्य मंत्री प्रहलाद पटेल ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के देवेन्द्र छात्रावास दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए।

देवेन्द्र छात्रावास के छात्र लिख रहे स्वर्णिम युग

कार्यक्रम में अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने कहा कि छात्रावास का जीवन बड़ा स्वर्णिम होता है। देवेन्द्र छात्रावास के छात्र विभिन्न क्षेत्रों में मुकाम पर पहुंच कर स्वयं छात्रावास का स्वर्णिम युग लिख रहे हैं। कार्यक्रम में कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्र ने बताया कि मंत्रीजी जिस मुकाम पर है वह न केवल देवेन्द्र छात्रावास, विश्वविद्यालय, बल्कि शहर के लिए भी गौरव की बात है। छात्रों को इनसे प्रेरणा लेनी चाहिए।

केन्द्रीय मंत्री का किया सम्मान

कार्यक्रम में कुलपति प्रो. मिश्र ने केन्द्रीय मंत्री को शाल, श्रीफल व अभिनंदन पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मंचासीन अतिथि एवं देवेन्द्र छात्रावास के छात्र रह चुके प्रो. कमलेश मिश्र, प्रो. अखिलेश पाण्डेय, प्रो. एसपी गौतम, शंकर दत्ता, छात्रावास के वार्डन आरके यादव, छात्रावास अधीक्षक डॉ. प्रकाश दुबे को शॉल, श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में गुंजनकला सदन की ओर से भी मंत्री का सम्मान किया गया। इसके साथ ही सिविल जज में चयनित छात्रावासी छात्र अजय नागेश का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रतुल श्रीवास्तव और आभार प्रदर्शन डॉ. प्रकाश दुबे ने किया।

ये रहे उपस्थित-

कार्यक्रम में प्रो. राकेश बाजपेयी, प्रो. एसएस संधु, डॉ. एके गिल, प्रो. राजीव दुबे, प्रो. बीके साहू, प्रो. लोकेश श्रीवास्तव, डॉ. गजेन्द्र सिंह, छात्रावास प्रमुख विवेक सिंह गहरवार, अनुज प्रताप सिंह, दीपेश मिश्रा, अभिनव तिवारी, लवदीप सिंह, सोमदत्त यादव, आशीष कुशवाहा, अनुज मिश्रा समेत बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

वि.वि. प्रबंधन संस्थान में 'केन्द्रीय बजट परिचर्चा-2020'

जबलपुर। रानी दुर्गावती विवि के प्रबंधन संस्थान में 'केन्द्रीय बजट परिचर्चा-2020' का आयोजन कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम संयोजक एवं एमबीए विभागाध्यक्ष प्रो. शैलेष चौबे ने बताया कि पहली बार ऐसा हुआ है कि केन्द्र सरकार द्वारा आयकर में विकल्प उपलब्ध कराए गए हैं। परिचर्चा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसबीआई के पूर्व मैनेजर एवं बैंकिंग सेक्टर विशेषज्ञ एस.के. गुप्ता, बोर्ड सीए आशुतोष दवेगिया, हिमाचल प्रदेश वि.वि. के पूर्व कुलपति प्रो. ए.डी.एन. बाजपेयी शामिल करने के प्रावधान किये जाना चाहिये। महाकौशल चेम्बर ऑफ कामर्स महासचिव डी.आर. जैसवानी, जीएस कॉमर्स प्राचार्य प्रो. एस.के. पाठक, विधि अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. एन.जी. पेण्डसे, पूर्व डीन वाणिज्य संकाय प्रो. आर.एस. बोहरे, डॉ. पूजा दीक्षित, डॉ. नरेन्द्र कोष्टी, संतोष साहू एवं डॉ. आशीष शर्मा ने भी बजट पर अपने बहुमूल्य विचार रखे। इस अवसर पर डॉ. रजनी शर्मा, डॉ. भूपेन्द्र उपाध्याय, डॉ. विजय दीक्षित, प्रो. अतुल खरे, प्रो. अरुण कुमार आवस्थी, डॉ. शरद खरे, डॉ. आर.के. अग्रवाल सहित विभाग के विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

पत्रकारिता विभाग के प्रायोगिक समाचारपत्र 'समाचार दर्पण' का विमोचन

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के संचार अध्ययन एवं शोध विभाग (पत्रकारिता विभाग) के छात्र-छात्राओं के प्रायोगिक समाचारपत्र 'समाचार दर्पण' का कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र एवं कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्र, वित्त नियंत्रक महोबिया की गरिमामयी उपस्थिती में विमोचन किया गया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. धीरेन्द्र पाठक अतिथि विद्वान डॉ. संजीव श्रीवास्तव, डॉ. मोहम्मद जावेद, डॉ. प्रमोद पाण्डे, डॉ. शैलेष प्रसाद, डॉ. मोहनिका गजभिये एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ का 53वां शपथ विधि समारोह

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ का 53वां शपथ विधि समारोह कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र के मुख्य आतिथ्य, कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्र के विशिष्ट आतिथ्य एवं वित्त नियंत्रक ए.के. महोबिया की उपस्थिति में पं. कुंजीलाल दुबे प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया। कुलपति प्रो. मिश्र ने कर्मचारी संघ के नए पदाधिकारियों को कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। शपथ विधि समारोह के विशिष्ट अतिथि कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्रा, सेवा निवृत्त कर्मचारी एवं पूर्व प्राध्यापक विद्यासागर पाण्डेय, पूर्व अध्यक्ष बंश बहोर पटेल आदि ने विचार व्यक्त किए। समारोह में कर्मचारी संघ अध्यक्ष बैशाखू, महासचिव प्रेम प्रकाश पुरोहित, उपाध्यक्ष राम सजीवन सौंधिया एवं राजेन्द्र कुशवाहा, कार्यकारिणी सदस्य संजय यादव आदि ने अतिथियों का पुष्पमाला से सम्मानित किया। संचालन प्रेम प्रकाश पुरोहित द्वारा किया गया।

विश्वविद्यालय में स्थापित होगी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा

महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि पर कार्यक्रम का आयोजन

जबलपुर। महात्मा गांधी के विचार केवल चिंतन नहीं हैं बल्कि इन्हें अपने आचरण में उतारना ही गांधीजी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। महात्मा गांधी युगपुरुष हैं और आज सम्पूर्ण विश्व उनके विचारों का अनुसरण कर रहा है, उनका दर्शन आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उपरोक्त विचार कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने गुरुवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर विश्वविद्यालय में आयोजित 'गांधी को नमन' कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए। इस मौके पर कुलपति ने मंच से गांधी जी को जीवन में आत्मसात करने हेतु पूरे विश्वविद्यालय परिवार से माह में एक बार खादी वस्त्रों के उपयोग का आव्हान भी किया।

म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार रादुविवि में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्पांजली से हुआ। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य अतिथि केन्ट विधानसभा के विधायक अशोक रोहाणी, मुख्य वक्ता प्रो. एस.पी. गौतम, पूर्व अध्यक्ष, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं पूर्व अध्यक्ष, म.प्र. लोक सेवा आयोग, विशिष्ट वक्ता वरिष्ठ सम्पादक काशीनाथ शर्मा, विशिष्ट वक्ता शिक्षाविद् प्रो. राजेन्द्र तिवारी ऋषि ने महात्मा के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि आईंस्टीन से लेकर चर्चिल तक गांधीजी के विचारों से प्रेरित रहे। सम्पूर्ण विश्व गांधी जी के विचारों और सिद्धांतों का लोहा मानता है। अंत में आभार प्रदर्शन करते हुए कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्र ने महात्मा गांधी को याद करते हुए बताया कि उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन मानवता के लिए अर्पित कर दिया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. रामशंकर ने किया।

मद्य निषेध का संकल्प दिलाया-

कार्यक्रम में माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने विश्वविद्यालय के पं. कुंजीलाल दुबे प्रेक्षागृह में मौजूद सभी प्राध्यापकों, अधिकारियों, अतिथि विद्वानों, कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं को मद्य निषेध का संकल्प दिलाया। इस मौके पर कुलपति प्रो. मिश्र ने मंच से विश्वविद्यालय में गांधी सृजन पीठ की स्थापना की बात करते हुए विधायक अशोक रोहाणी को उनके द्वारा रादुविवि में महात्मा गांधी की प्रतिमा की स्थापना के लिए विधायक निधि से अनुदान देने की घोषणा पर कृतज्ञता ज्ञापित की।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के संचार अध्ययन एवं शोध विभाग द्वारा प्रकाशित, संरक्षक- कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र, मुद्रक, प्रकाशक- कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्रा, प्रधान संपादक- विभागाध्यक्ष प्रो. धीरेन्द्र पाठक, संपादक मंडल: संपादक- डॉ. मोहम्मद जावेद, डॉ. शैलेष प्रसाद, सह संपादक- डॉ. संजीव श्रीवास्तव, डॉ. प्रमोद पाण्डेय, डॉ. मोहनिका गजभिए, संपादकीय टीम समस्त छात्र-छात्राएं पत्रकारिता विभाग, रादुविवि